STD - VIII

हिन्दी प्रथम पत्र

अध्याय 1 - भाषा, बोली, लिपि एवं व्याकरण

प्रश्न 1 भाषा किसे कहते हैं? इसके भेदों की परिभाषा व उदाहरण सहित लिखें?

उत्तर→ मानव मुख से उच्चरित सार्थक ध्वनियों की व्यवस्था, जिसके द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों का आदान प्रदान करता है, भाषा कहलाती है।

भाषा के मुख्यतः दो रूप होते हैं -
मौखिक तथा लिखित भाषा।

I मौखिक भाषा → बोल-चाल की भाषा मौखिक भाषा कहलाती है।

II लिखित भाषा → जब उच्चरित ध्वनि लिपिकर अंकित किया जाता है तो लिखित भाषा कहते हैं।

प्रश्न 2 बोली किसे कहते हैं कुछ उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।

उत्तर- किसी क्षेत्र विशेष में बोली जाने वाली भाषा का रूप बोली कहलाता है। जैसे- ब्रजभाषा, अवधी, बघेली, मारवाड़ी, मगही आदि।

प्रश्न 3 लिपि किसे कहते हैं? हिन्दी पांच भाषाओं के सम्मुख उनकी लिपियों को लिखें।

किसी भी भाषा को लिखने के कुछ चिह्न निर्धारित किए गये हैं। उच्चरित ध्वनियों को लिखने की विधि लिपि कहलाती है।

भाषा	-	लिपि
संस्कृत	-	देवनागरी
अंग्रेजी	-	रोमन
उर्दू	-	फारसी
पंजाबी	-	गुरुमुखी
जर्मन	-	रोमन

प्रश्न 4 व्याकरण किसे कहते हैं? व्याकरण के अंगों को लिखें?

उत्तर→ 'व्याकरण' शब्द 'वि + आ + कृ' धातु से निर्मित है जिसका शब्दिक अर्थ है- विश्लेषण करना। व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा शब्दों को शुद्ध शुद्ध लिखना, पढ़ना और बोलना सीखते हैं उसे व्याकरण कहते हैं।

व्याकरण के मुख्य रूप से तीन अंग हैं-

(1) वर्ण विचार → जिसके अन्तर्गत वर्ण, भेद, आकार, उच्चारण पर विचार किया जाता है उसे वर्ण विचार कहते हैं।

(2) शब्द विचार → जिसके अंतर्गत शब्दों के लिंग, भेद, वचन, काल आदि बनावट पर विचार किया जाय उसे शब्द विचार कहते हैं।

(3) वाक्य विचार → जिसके अन्तर्गत वाक्य रचना, वाक्य विश्लेषण, भेद आदि का वर्णन किया जाता है, उसे वाक्य विचार कहते हैं।

=

Scanned with CamScanner

प्रश्न(5) व्युत्पत्ति, रचना या बनावट के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?
उत्तर→ रचना के आधार पर शब्द को तीन भागों में बांटा जा सकता है -

1. रूढ़ → जो शब्द अपने मूल रूप में खंडित न किया जाय रूढ़ कहलाते हैं।
जैसे - कुर्सी = कु+र्सी, पवन - प+व+न ।

(2) यौगिक - ऐसे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, इसके खंड का भी अर्थ निकलता है।
जैसे विद्यालय - विद्या+आलय, पाठशाला - पाठ+शाला ।

(3) योगरूढ़ → यह यौगिक की तरह होता है किन्तु यह साधारण अर्थ को छोड़कर विशेष अर्थ को बतलाता है उसे योगरूढ़ कहते हैं।
जैसे - लम्बोदर - लम्बा उदर अर्थात् विशेष अर्थ गणेश ।
गजानन - गज के समान आनन (मुख) - गणेश

प्रश्न(6) उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? परिभाषा व उदाहरण सहित लिखें।
उत्पत्ति के आधार पर शब्द के पांच भेद होते हैं -

(1) तत्सम - जो शब्द मूलतः संस्कृत के होते हैं किन्तु उनका प्रयोग हिन्दी में ज्यों का त्यों होता है, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।
जैसे हस्त, घृत, स्वर्ण, अग्नि ।

(2) तद्भव → संस्कृत के वे शब्द जिनका कुछ रूप परिवर्तन के साथ हिन्दी में प्रचलित है वे तद्भव शब्द कहलाते हैं।
जैसे हाथ, घी, सोना, आग

(3) देशज - वे शब्द जो क्षेत्रीय प्रभाव के कारण हिन्दी में आ गये हैं, देशज कहलाते हैं।
जैसे - पगडी, पेड़, लकड़ी, थैला आदि ।

(4) विदेशज → वैसे शब्द जो विदेशी भाषा से आकर जिनका प्रयोग हिन्दी में होने लगा है उसे विदेशी शब्द कहते हैं।
जैसे - औरत (अरबी) स्कूल (अंग्रेजी)

(5) संकर → जो शब्द अलग-अलग भाषाओं के मेल से बनकर प्रयोग में आ रहे हैं, वे संकर कहलाते हैं।
जैसे - रेल+गाड़ी, डाक+खाना, फूल+दान

—o—